हथकरघा विकास केन्द्रों की स्थापना करने की योजना तथा वित्तीय रियायतें शामिल हैं।

(ग) भारत सरकार ने वर्ष 1993-94 के दौरान हथकरघा क्षेत्र का विकास करने के लिए योजना के अन्तर्गत 51.15 करोड़ रुपये तथा गैर-योजना के अन्तर्गत 198.04 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है।

(घ) और (ङ) सरकार ने सूती हथकरघा उत्पादों के संबंध में वर्ष 1993-94 के लिएँ निर्यात लक्ष्य 410.56 मिलियन अमरीकी डालर निर्धारित किया है। अप्रैल-जनवरी, 1993-94 की अवधि के दौरान सूती हथकरघा उत्पादों के निर्यात 335.4 मिलियन अमरीकी डालर (अनन्तिम) मूल्य के हुए।

(च) सरकार ने हथकरघा वस्त्र निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं जैसे क्रेता-विक्रेता बैठकों का आयोजन करना, प्रमुख बाजारों में मेलों में भाग लेना, विदेशी व्यापार पत्रिकाओं में विज्ञापन प्रकाशित करवाना उत्पाद विकास तथा उपयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों कग माध्यम से गुणवत्ता उन्नयन।

उत्तर प्रदेश के बुनकरों को सूती धागे की आपूर्ति

987. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश को प्रति माह सूती धागे की एक निश्चित मात्रा में आपूर्ति करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो क्या राज्य सरकार के बुनकरों को सूती धागे की उक्त मात्रा उपलब्ध कराने का भी विचार है;

(ग) क्या सूती धागे के रंगों और रसायनों की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप बुनकर केन्द्रीय सहायता मिले बिना इन वस्तुओं को खुले बाजार से खरीदने की स्थिति में नहीं है;

(घ) क्या सरकार ने राज्य में बुनकरों की स्थिति सुधारने के लिये सहायता जुटाने हेतु कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान राज्य के बुनकरों को केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) और (ख) उत्तर प्रदेश के बुनकरों को निजी स्त्रोतों के साथ-साथ केन्द्र सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त कई राज्य अभिकरणों द्वारा सूत की आपूर्ति की जा रही है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम भी राज्य अभिकरणों के इन प्रयत्नों में योगदान देता है।

(ग) सूती धागे, रंजक व रसायन के मूल्यों में वृद्धि के कारण इस व्यापार में अवश्य ही असर हुआ है लेकिन इनकी बिक्री को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि बुनाई के कार्यकलाप सामान्य रूप से चल रहे हैं।

(घ) जी, हां।

(ङ) हथकरथा विकास के लिए वर्तमान योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तर प्रदेश सरकार को पर्याप्त सहायता दी गई है जिनका विवरण इस प्रकार है:—

(लाख रुपये में)

वर्ष	दी गई सहायता
1990-91	4499.84
1991-92	3769.42
1992-93	3617.64

वस्त्रों का उत्पादन, निर्यात और आयात

988. **श्री शिव शरण सिंह:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में वस्त्र उत्पादन की कुल मात्रा कितनी है;

(ख) देश की कुल वस्त्र आवश्यकता कितनी है और इसका निर्यात किस-किस देश को कितनी मात्रा में किया जाता है; और

(ग) देश में आयात किये जाने वाले वस्त्रों की मात्रा कितनी है एवं इसे किस-किस देश से आयात किया जाता है और उसके क्या कारण है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी): (क) वर्ष 1992-93 के दौरान देश में कपड़े का कुल उत्पादन 25,475 मिलियन वर्ग मीटर (जिसमें खादी शामिल है) था।

(ख) और (ग) 8वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक कपड़े की कुल मात्रा 32,200 मिलियन वर्ग मीटर होने का अनुमान है। वर्ष 1992-93 के दौरान निर्यातित कपड़े